भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3676

जिसका उत्तर 24 मार्च, 2022 को दिया जाना है।

.....

भू-जल प्रबंधन हेतु कुंओं की निगरानी

3676. श्री फ़िरोज़ वरुण गांधी:

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या बारहवीं योजना अवधि के लिए भू-जल प्रबंधन एवं विनियमन योजना हेतु अनुमोदित मंत्रिमंडल टिप्पण के अनुसार, केंद्रीय भू-जल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) ने मार्च, 2017 तक भू-जल स्तर के मापन के लिए निगरानी को 15,653 कुओं से बढ़ाकर 50,000 करने का प्रस्ताव दिया था;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और वर्तमान में देश में कुल कितने कुओं की निगरानी हो रही है;

(ग) क्या सरकार ने कैबिनेट नोट में निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त किया है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) सरकार द्वारा देश में कुओं की निगरानी की सघनता को बढ़ाने हेतु क्या उपाय किये गए हैं?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री (श्री बिश्वेश्वरटुडू)

(क) से (घ): वर्ष 2012 में सीजीडबल्यूबी के पास 15,653 मानीटरिंग कूपों का नेटवर्क था। ईएफ़सी ज्ञापन के अनुसार वर्ष 2012-17 की अवधि के दौरान आंतरिक संसाधनों और साथ ही साथ मानीटरिंग कूपों को भागीदारी मोड के माध्यम से 35000 तक बढ़ाने का प्रस्ताव था। हालांकि वर्ष 2012-17 के लिए योजना के सहभागी भूजल प्रबंधन घटक के तहत गतिवधियाँ कुछ अंतर्निहित सीमाओं के कारण शुरू नहीं हो सकी। आंतरिक गतिविधियों के एक भाग के रूप में सीजीडब्ल्यूबी द्वारा अब तक 7,182 अतिरिक्त मानीटरिंग कुओं की निर्माण किया गया है।

इस समय, पूरे देश में सीजीडब्ल्यूबी द्वारा मानीटरिंग के लिए उपयोग किए जा रहे कुओं की कुल संख्या 22,835 है। इसके अतिरिक्त, सीजीडबल्यूबी राज्य सरकारों द्वारा उत्पन्न भूजल स्तर की जानकारी का भी उपयोग कर रहा है, जिनके पास लगभग 43,500 कुओं का नेटवर्क है। इसके अतिरिक्त, सीजीडब्ल्यूबी आवश्यकता के अनुसार मानीटरिंग कुओं की आवश्यकता की उचित रूप से समीक्षा करता है और तदनुसार उचित कार्रवाई शुरू करता है।

****